मूसा (पीठ)

मसीह (दर्पण)
स्वर्ग (पूर्ण प्रगटीकरण)

मूसा की गहरी लालसा थी कि वह परमेश्वर का मुख देख सके। उसने परमेश्वर की उपस्थिति का अनुभव तो किया था, लेकिन उसका पूरा स्वरूप कभी नहीं देखा था।

परमेश्वर से आमने-सामने (थियोफनी)

बाइबल कहती है कि यहोवा मूसा से आमने-सामने बात करता था, जैसे कोई अपने मित्र से करता है। यह एक विशेष अनुभव था जिसे धर्मशास्त्री थियोफनी कहते हैं — यानी परमेश्वर का मनुष्य के सामने दृश्य रूप से प्रकट होना, परन्तु उसकी पूर्ण महिमा नहीं, क्योंकि वह मनुष्य सहन नहीं कर सकता।

निर्गमन 33:11 (ERV-HI)
यहोवा मूसा से आमने सामने बातें करता था जैसे कोई मित्र से करता है। फिर मूसा डेरे की ओर लौट जाता, परन्तु उसका सहायक यहोशू, जो नून का पुत्र था, वह तम्बू से बाहर नहीं निकलता था।

लेकिन जब मूसा ने सीधे परमेश्वर का मुख देखने की इच्छा जताई, तो परमेश्वर ने कहा:

निर्गमन 33:20-23 (ERV-HI)
परन्तु उसने कहा, “तू मेरा मुख नहीं देख सकता, क्योंकि कोई
भी मनुष्य मेरा मुख देखकर जीवित नहीं रह सकता।” तब यहोवा ने कहा, “देख, मेरे पास एक स्थान है। तू उस चट्टान पर खड़ा हो।
जब मेरी महिमा वहाँ से गुज़रेगी, तब मैं तुझे चट्टान की दरार में खड़ा कर दूँगा और जब तक मैं पार हो न जाऊँ तब तक अपना हाथ तुझ पर ढके रहूँगा। फिर मैं अपना हाथ हटा लूँगा, और तू मेरी पीठ देखेगा, परन्तु मेरा मुख कोई नहीं देख सकता।”

परमेश्वर का अदृश्य स्वरूप

यह सिखाता है कि परमेश्वर का स्वरूप मनुष्य के लिए अदृश्य और अप्राप्य है।

1 तीमुथियुस 6:16 (ERV-HI)
वही अकेला अमर है और वह ऐसे ज्योतिर्मय स्थान में रहता है, जहाँ कोई पहुँच नहीं सकता। उसे किसी मनुष्य ने कभी नहीं
देखा और न देख सकता है। उसको आदर और अनन्त शक्ति मिले। आमीन।

इसलिए मूसा को परमेश्वर का मुख नहीं, केवल उसकी “पीठ” दिखाई गई — यानी उसकी महिमा का एक आंशिक दर्शन।

मूसा को परमेश्वर का स्वभाव प्रकट हुआ

जब यहोवा मूसा के सामने से गुज़रा, उसने परमेश्वर के चरित्र को जाना — दया, अनुग्रह, धैर्य, प्रेम और न्याय।

निर्गमन 34:5-7 (ERV-HI)
तब यहोवा बादल में उतर कर वहाँ उसके पास खड़ा हो गया और
यहोवा के नाम का प्रचार किया। और यहोवा मूसा के सामने से
होकर निकला और कहा, “यहोवा, यहोवा, दयालु और अनुग्रहकारी परमेश्वर है। वह क्रोध करने में धीमा, अटल प्रेम और सच्चाई
से भरपूर है। वह हजारों पीढ़ियों तक अटल प्रेम बनाए रखता है और अपराध, विद्रोह और पाप को क्षमा करता है। किन्तु दोषी को वह बिना दण्ड दिए नहीं छोड़ता। वह पिताओं के पाप का दण्ड पुत्रों, और पुत्रों के पुत्रों को, तीसरी और चौथी पीढ़ी तक देता है।”

यह वचन हमें परमेश्वर की दया और न्याय दोनों को दिखाता है — उसकी पवित्रता और प्रेम हमेशा संतुलन में रहते हैं।

यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर का मुख

परमेश्वर ने अपने पुत्र यीशु मसीह को भेजा ताकि वह मनुष्य के सामने परमेश्वर का सच्चा स्वरूप प्रकट करे। यीशु ही अदृश्य परमेश्वर की प्रतिमा है।

यूहन्ना 1:18 (ERV-HI)
किसी ने भी कभी परमेश्वर को नहीं देखा। परन्तु एकलौता
पुत्र, जो स्वयं परमेश्वर है और पिता के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध में है, उसी ने उसे प्रकट किया है।

कुलुस्सियों 1:15 (ERV-HI)
पुत्र उस अदृश्य परमेश्वर का स्वरूप है। वह सारी सृष्टि से पहले जन्मा हुआ है।

यीशु के बलिदान और पुनरुत्थान ने हमें वह सामर्थ्य दी है कि हम परमेश्वर की उपस्थिति में खड़े हो सकें।

इब्रानियों 9:14 (ERV-HI)

तो मसीह का लहू तो हमारे लिए और भी महान बात करेगा। मसीह ने अपने आपको परमेश्वर के सामने एक दोषरहित बलिदान के रूप में चढ़ाया। उसने यह काम शाश्वत आत्मा की सहायता से किया। उसका लहू हमारी आत्मा को मरते हुए कामों से शुद्ध करेगा ताकि हम जीवित परमेश्वर की सेवा कर सकें।

यीशु ने प्रकट किया कि परमेश्वर का असली स्वरूप प्रेम है।

1 यूहन्ना 4:8 (ERV-HI)
जो प्रेम नहीं करता वह परमेश्वर को नहीं जानता क्योंकि परमेश्वर प्रेम है।

भविष्य की आशा: परमेश्वर को आमने-सामने देखना

अभी हम परमेश्वर को धुँधले दर्पण के समान देखते हैं, परन्तु एक दिन हम उसे आमने-सामने देखेंगे।

1 कुरिन्थियों 13:12 (ERV-HI)
अब हम केवल धुँधले दर्पण में देखते हैं; परन्तु तब हम आमने सामने देखेंगे। अभी मुझे कुछ ही ज्ञात है; परन्तु तब मैं पूर्णतया जानूँगा जिस प्रकार मुझे पूर्णतया जाना गया है।

यह पूर्ण दर्शन हमें स्वर्ग में मिलेगा।

प्रकाशितवाक्य 22:4 (ERV-HI)
वे उसका मुख देखेंगे और उसका नाम उनके माथे पर लिखा होगा।

निष्कर्ष और बुलावा

परमेश्वर का मुख देखने की यात्रा:

मूसा ने आंशिक रूप से देखा (पीठ)।
मसीह में उसका स्वरूप पूर्ण रूप से प्रकट हुआ (दर्पण)।
और स्वर्ग में हम उसे आमने-सामने देखेंगे।

क्या आपने यीशु मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण किया है? उसके बिना कोई भी परमेश्वर की महिमा सहन नहीं कर सकता।

प्रेरितों के काम 4:12 (ERV-HI)
मुक्ति किसी और से नहीं मिल सकती। क्योंकि सारे जगत में
लोगों को बचाने के लिए हमें और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया
है।

आज ही अंधकार की जगह ज्योति को चुनें। यीशु ने कहा:

यूहन्ना 3:36 (ERV-HI)
जो पुत्र पर विश्वास करता है उसे अनन्त जीवन मिलता है। परन्तु जो पुत्र को अस्वीकार करता है वह जीवन को नहीं देखेगा, उस पर परमेश्वर का क्रोध बना रहता है।

इसलिए यीशु की ओर आओ, उसका अनुग्रह लो और उसके प्रेम में चलते रहो। प्रभु आपको आशीष दे!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp